ई ई एस एल®

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड

विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

नवोन्मेषी ऊर्जा

सतत भविष्य के लिए ऊर्जा दक्षता नवाचार

जुलाई 2024

विषय-सूची

संपादक के विचार-

श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक, विक्रय एवं जनसंपर्क, ईईएसएल

मुख्य कार्यकारी अधिकारी के डेस्क से

श्री विशाल कपूर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ईईएसएल

खाना बनाने के लिए सुरक्षित विकल्प प्रदान करके और कम बिजली खर्च करके इंडक्शन चूल्हे घरों में बदलाव ला रहे हैं

श्री निखिल अग्रवाल, निदेशक परिचालन, केएमसी

ईईएसएलमार्ट: सतत जीवनशैली में बदलाव लाने वाला उर्जा कुशल उपकरणों का एक ही स्थान पर समाधान

श्री अनिमेष मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक और प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क), ईईएसएल और श्री आदेश सक्सेना, महाप्रबंधक (तकनीकी), ईईएसएल

डिजिटल बदलाव और नवाचार का भविष्य

श्री अभिषेक अग्रवाल, प्रमुख-सूचना प्रौद्योगिकी एवं ऊर्जा पोर्टफोलियो प्रबंधन, ईईएसएल

ऊर्जा बचाने वाले एसी और बीएलडीसी पंखों के साथ गर्मी से बचें और बिजली के बिल कम करें

श्री आशीष मालवीय, उप महाप्रबंधक (तकनीकी), ईईएसएल

ईईएसएलमार्ट के साथ अपने घर के लिए हरित विकल्प चुनें और बड़ी बचत करें

सुश्री प्रियाल प्रकाश, अधिकारी, जनसंपर्क, ईईएसएल

ईईएसएल के महत्वपूर्ण कार्यक्रम

ऊर्जा की बचत करने वालों के जीवन का एक दिन

ऊर्जा क्षेत्र के महत्वपूर्ण रूझान

हमारी टीम

डिजाइन

श्री अनिमेष मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक और प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क), ईईएसएल, श्री अक्षय अरोड़ा, खाता प्रबंधक, एडेलमैन इंडिया

संपादक

श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक, विक्रय एवं जनसंपर्क, ईईएसएल

उप संपादक

सुश्री प्रियाल प्रकाश, अधिकारी, जनसंपर्क, ईईएसएल

संपादक के विचार

श्री नितिन भट्ट,
उप महाप्रबंधक,विक्रय एवं
जनसंपर्क, ईईएसएल

प्रिय पाठकों,

पिछले कुछ हफ्तों से समाचारों में जलभराव, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं की भरमार रही है, जिससे जनजीवन, संपत्ति और आर्थिक गतिविधियों में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है। ऐसी स्थिति के कई कारण हैं, जिनमें से जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ा है। जैसा कि हम जानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के सीधे परिणामस्वरूप ही मौसम संबंधी घटनाएं होती हैं और यह बदलाव दुनिया भर में ऊर्जा उत्पादन और खपत के तरीके से सीधे जुड़ा हुआ है। जी-20 और सीओपी28 जैसे वैश्विक शिखर सम्मेलनों में जलवायु कार्रवाई के प्रमुख घटकों में से एक के रूप में 2030 तक ऊर्जा दक्षता उपायों को अपनाने की दर को दोगुना करने के महत्व पर जोर दिया गया है।

यहां तक कि सफलता के लिए सबसे अच्छे विचारों को भी सुलभ होना चाहिए। उदाहरण के लिए, ऊर्जा दक्षता एक ऐसी अवधारणा है जिसे सभी को अपनाना चाहिए, ताकि इसका वांछित प्रभाव पड़ सके। पिछले दशक ने हमें बहुत अच्छी से बताया है कि डिजिटल माध्यम किसी नए विचार, उत्पाद या सेवा को भारत के जन-जन तक पहुंचाने का एक शक्तिशाली साधन है। हम एक ऐसे डिजिटल परिवर्तन के युग के मध्य में हैं जो मानव गतिविधि के लगभग हर पहलू - सामाजिक, वाणिज्यिक, पेशेवर, पर्यावरणीय, सरकारी और अन्य पहलूओं को छूता है। इसलिए हमें देश भर में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और तेजी से अपनाने के लिए इसका लाभ उठाना चाहिए।

ई-कॉमर्स का उदय इस डिजिटल परिवर्तन का एक हिस्सा है। ई-कॉमर्स का दायरा लगातार बढ़ रहा है जिसमें ऐसे उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं जो पहले ज्यादातर ऑफलाइन बेची जाती थीं। आजकल हम बिजली के उपकरण भी ऑनलाइन खरीद सकते हैं।

ईईएसएल कई वर्षों से ऊर्जा दक्षता समाधानों का एक प्रवर्तक और बाजार में अग्रणी रहा है। हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि हमारी पेशकशें प्रासंगिक, किफायती और सुलभ बनी रहें। हमारा ऑनलाइन पोर्टल, ईईएसएलमार्ट, ऊर्जा-कुशल उपकरण प्रदान करता है जो उपभोक्ताओं को एक सतत जीवन शैली अपनाने में सक्षम बनाएगा। भविष्य में इसके उत्पाद श्रृंखला का विस्तार होगा।

शीतलन और रोशनी हमारे दैनिक जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं, जहां ऊर्जा दक्षता पहले से ही काफी फर्क ला रही है। हालांकि खाना पकाना और व्यक्तिगत परिवहन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। खाना पकाने के लिए ऊर्जा-कुशल इलेक्ट्रिक चूल्हों और छोटी-मध्यम दूरी की यात्रा के लिए ई-बाइक का उपयोग करने से महत्वपूर्ण ऊर्जा और लागत बचत हो सकती है। यह न्यूज़लेटर इन सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा करता है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में, हमें जलवायु योद्धा और पर्यावरण अनुकूल समाधानों का दूत बनना चाहिए।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी के डेस्क से

चार की ताकत: रणनीतिक उपकरण प्रतिस्थापन के माध्यम से भारत की ऊर्जा दक्षता को दोगुना करना

श्री विशाल कपूर,
सीईओ, ईईएसएल

किम स्टेनली रॉबिन्सन के दिल दहला देने वाले साइंस फिक्शन "द मिनिस्ट्री फॉर द फ्यूचर" में विनाशकारी गर्मी जलवायु परिवर्तन पर निष्क्रियता के गंभीर परिणामों की याद दिलाते हैं। ये काल्पनिक लेकिन संभावित परिदृश्य जलवायु परिवर्तन को तत्कालिक स्थिति को दर्शाते हैं। जैसे कि पुस्तक अत्यधिक गर्मी के विनाशकारी मानवीय और पारिस्थितिक प्रभावों को दर्शाती है, वैसे ही हमारे वास्तविक दुनिया को यह समझना जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना अब वैकल्पिक नहीं बल्कि हमारे अस्तित्व और कल्याण के लिए आवश्यक है।

जैसे-जैसे हम जलवायु परिवर्तन की जटिलताओं और सतत विकास की तत्काल आवश्यकता से निपट रहे हैं, ऊर्जा दक्षता की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ईईएसएल में, हम विशेष रूप से जी20 और कॉप28 के वैश्विक स्तर पर ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करने के प्रयास का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नई सोच, लक्षित रणनीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में एक समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। मेरे हाल की समझ के अनुसार केवल चार प्रमुख घरेलू उपकरणों- पंखे, एयर कंडीशनर, बल्ब और ट्यूबलाइट में परिवर्तनकारी क्षमता है। इन्हें ऊर्जा-कुशल और अति-दक्ष विकल्पों से बदलकर, हम अपने ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों की ओर महत्वपूर्ण प्रगति कर सकते हैं, जिससे महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो का अनुमान है कि 2020-21 में भारत ने लगभग 113.16 बिलियन यूनिट बिजली की बचत की, जो सालाना 94.44 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी के बराबर है।

हालांकि यह एक सराहनीय उपलब्धि है, लेकिन हमारे समक्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इन बचत को दोगुना करने की चुनौती है। मेरे आंकलन से अगले पांच वर्षों में केवल इन चार प्रकार के उपकरणों को ईईएसएल के ऊर्जा-दक्ष विकल्पों से बदलने पर ध्यान केंद्रित करके, हम उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। कार्यान्वयन चरण के केवल दो वर्षों में वर्तमान ऊर्जा दक्षता दर की 166% ; तीन वर्षों में वर्तमान दर की 226% , और पांचवें वर्ष तक हम वर्तमान CO2 उत्सर्जन दर की तीन गुनी बचत (ऊर्जा दक्षता दर की तिगुनी) प्राप्त करे सकते हैं।

हालांकि, ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करने का रास्ता उतना आसान नहीं है जिसके बारे मैंने ऊपर बताया है। खासकर के बाजार आधारित माहौल में, पांच वर्षों के भीतर पूरे देश में इन सभी उपकरणों में रणनीतिक परिवर्तन करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इस लेख को लिखने का उद्देश्य दो दृष्टिकोणों को स्पष्ट करना है: एक केवल चार उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करके ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करना कितना संभव है और दूसरा व्यक्तियों व संगठनों को इन उपकरणों के लिए मनाने की चुनौतियों को देखते हुए यह कितना कठिन है।

क्या यह किया जाना चाहिए, इसकी लागत कितनी होगी? मेरी समझ के अनुसार, इसके लिए पांच वर्षों में कुल 37,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी, जिसमें देश भर की सरकारें कुल मिलाकर लगभग 9,000 करोड़ रुपये खर्च करेंगी, जबकि शेष 28,000 करोड़ रुपये का खर्च उपभोक्ताओं और निजी क्षेत्र द्वारा किया जाएगा।

उपभोक्ताओं द्वारा 28,000 करोड़ रुपये का निवेश बहुत बड़ा लग सकता है, लेकिन अगर इसे पांच साल में 31 करोड़ घरों में खर्च किया जाए तो यह इतना बड़ा नहीं है। इसे अलग-अलग हिस्सों में बांटकर देखें तो इसका मतलब है कि हर घर को हर साल सिर्फ 180 रुपये की जरूरत है, जो कि बहुत कम है। इसके अलावा, इस तरह के उपाय के लिए वित्तीय आंतरिक रिटर्न दर (एफआईआरआर) काफी अधिक है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे और तीसरे साल के बीच ही नकदी प्रवाह शुद्ध सकारात्मक हो जाता है। हालांकि, उपभोक्ता स्तर पर, बिजली की सब्सिडी वाली लागत के कारण, एफआईआरआर थोड़ा कम है, लेकिन फिर भी यह एक मजबूत वैल्यू देता है।

इस निवेश पर मिलने वाला लाभ केवल ऊर्जा बचत और उत्सर्जन में कमी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सतत विकास पर व्यापक प्रभाव डालता है।

इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए स्वतःस्फूर्त प्रयासों से काम नहीं चलेगा; इसके लिए एकजुट प्रयास की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में विचारशील नेताओं और हितधारकों के रूप में, हमें इन पहलों का समर्थन करना चाहिए और ऊर्जा-दक्ष तकनीकों के बड़े पैमाने पर अपनाने का समर्थन करने वाली नीतियों और कार्यक्रमों की वकालत करनी चाहिए।

ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह हमारे लिए संभव है। पंखों, एयर कंडीशनर, बल्बों और ट्यूबलाइटों को बदलने पर ध्यान केंद्रित करके, हम महत्वपूर्ण ऊर्जा बचत और पर्यावरणीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ईईएसएल में, हम इस बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी हितधारकों को इस महत्वपूर्ण प्रयास में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। मिलकर, हम भारत और दुनिया के लिए अधिक सतत और ऊर्जा-दक्ष भविष्य बना सकते हैं। आइए इन चार उपकरणों की शक्ति का दोहन करें और eeslmart.in के माध्यम से ऊर्जा दक्षता में अग्रणी भूमिका निभाएं। कार्य करने का समय अब है!

खाना बनाने के लिए सुरक्षित विकल्प प्रदान करके और कम बिजली खर्च करके इंडक्शन चूल्हे घरों में बदलाव ला रहे हैं

श्री निखिल अग्रवाल

निदेशक परिचालक, केएमसी

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय रसोई घरों में एक शांत परिवर्तन हो रहा है, जिसका मुख्य कारण इंडक्शन चूल्हों और अन्य बिजली से चलने वाले खाना पकाने के उपकरणों का बढ़ता उपयोग है। इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर, इंडक्शन कुक स्टोव और सोलर इंडक्शन कुक स्टोव जैसे बिजली आधारित खाना पकाने के विकल्पों ने घरों में क्रांति ला दी है, जो ऊर्जा-दक्ष हैं और सुरक्षित खाना पकाने की सुविधा प्रदान करते हैं। ये आधुनिक उपकरण बैटरियों या सीधे बिजली ग्रिड से ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं, जिससे विभिन्न स्थानों पर उपयोगकर्ताओं को लचीलापन और सुविधा मिलती है। खाना बनाने के तरीकों में बदलाव की तत्काल आवश्यकता है। गोबर के उपलों और लकड़ी जैसी पारंपरिक जलवन देश के वायु प्रदूषण में योगदान देती हैं, जो कुल प्रदूषण का 20-50% के लिए जिम्मेदार हैं। घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव और भी गंभीर है, जहां भारतीय रसोई में प्रदूषण का स्तर आम तौर पर 1000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक होता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सीमा से कहीं अधिक है। इस घरेलू वायु प्रदूषण के गंभीर परिणाम होते हैं, जिससे प्रति वर्ष लगभग 0.8 मिलियन लोगों की समय से पहले मौतें हो जाती हैं।

भारत सरकार इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए स्वच्छ ईंधन के लिए कई पहल शुरू कर चुकी है। 2016 में शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के लिए स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना था, जिससे लगभग 10 करोड़ लोगों को लाभ हुआ। इसके अलावा, सरकार ने भारतीय घरों के लिए लागत प्रभावी पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) समाधान शुरू किए हैं और 2021 में बिजली से खाना बनाने को बढ़ावा देने के लिए गो इलेक्ट्रिक अभियान शुरू किया है। इन प्रयासों के बावजूद, चुनौती बड़ी है, क्योंकि भारत में अभी भी लगभग 442 मिलियन लोग स्वच्छ ईंधन के साधनों तक पहुंच से वंचित हैं। बिजली से खाना बनाने का चलन बढ़ तो रहा है लेकिन यह अभी भी शुरुआती दौर में है। वर्तमान में, लगभग 5% भारतीय घरों ने किसी न किसी तरह से बिजली से खाना बनाना शुरू कर दिया है, जिसमें से 2.7% ग्रामीण घर और 1.3% शहरी घर शामिल हैं। कई कारक बिजली से खाना बनाने को बढ़ावा दे रहे हैं। इनमें मांग संकलन, प्रौद्योगिकी सामंजस्य विशेषज्ञता और ऊर्जा दक्षता में सुधार शामिल हैं। एलपीजी की बढ़ती कीमतों के कारण पीएमयूवाई और गैर-पीएमयूवाई दोनों लाभार्थियों में रिफिलिंग दर कम हो गई है, जिससे बिजली से खाना बनाना अधिक आकर्षक हो गया है।

इसके अलावा, बिजली से चलने वाले रसोई उपकरणों के बाजार में 2016-17 से 2027-28 तक लगभग 11-12% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है, जो सकारात्मक रुझान का संकेत देता है। इस बाजार परिवर्तन का समर्थन करने के लिए, ईईएसएल ने अपना ई-कुकिंग कार्यक्रम लागू किया है, जिसके पहले ही उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। 2023 में, ईईएसएल ने लद्दाख, पूर्वोत्तर क्षेत्र और अन्य राज्यों के सामुदायिक केंद्रों और आंगनवाड़ियों में 20,000 इलेक्ट्रिक इंडक्शन कुक स्टोव वितरित किए। उन्होंने ग्रामीण और अर्ध-शहरी घरों के लिए सौर-आधारित इंडक्शन कुकिंग समाधान भी लॉन्च किए, जिसमें पायलट चरण के तहत 100,000 सौर इंडक्शन कुकिंग सिस्टम (एसआईसीएस) को इच्छुक घरों में वितरित किया गया।

इन ई-कुकिंग कार्यक्रमों का प्रभाव केवल व्यक्तिगत घरों तक ही सीमित नहीं है। ईईएसएल की पहल कई सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से सीधे जुड़ी हुई हैं, जिनमें गरीबी उन्मूलन, भूख की समाप्ति, अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पानी और स्वच्छता, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा, असमानता में कमी, जलवायु कार्रवाई, और स्वस्थ जीवन शामिल हैं।

बिजली के चूल्हों, खासकर इंडक्शन चूल्हों से जलवायु परिवर्तन की लड़ाई घर और रसोई तक पहुंच गई है। ये उपभोक्ताओं के लिए कई फायदे लेकर आते हैं, जैसे कि सुरक्षित उपयोग, आसान सफाई और खाना पकाने के तापमान पर बेहतर नियंत्रण। इंडक्शन कुकटॉप विशेष रूप से ऊर्जा-दक्ष होते हैं, जिनकी दक्षता पारंपरिक बिजली के चूल्हों से लगभग 5-10% अधिक और गैस चूल्हों से तीन गुना अधिक होती है। इस बढ़ी हुई दक्षता का परिणामस्वरूप खाना पकाने में तेजी आती है और पारंपरिक तरीके से खाना पकाने की तुलना में लगभग 25-30% की लागत बचत में होती है।

भारत सरकार ने देश के ग्रीनहाउस उत्सर्जन को कम करने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं और स्वस्थ एवं सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। बिजली से खाना पकाना इन उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

2021 में शुरू की गई मिशन लाइफ जैसी पहल संसाधनों के विचारशील और जिम्मेदार उपयोग और सतत जीवनशैली विकल्पों को प्रोत्साहित करती है। ऊर्जा-दक्ष इलेक्ट्रिक खाना पकाने के तरीके सभी क्षेत्रों और सामाजिक-आर्थिक स्तरों पर इन प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ ही बड़े पैमाने पर बिजली से खाना पकाने को बढ़ावा देने और अपनाने का समय आ गया है। राष्ट्रीय दक्ष पाक कला कार्यक्रम के तहत देश भर में 20 लाख इंडक्शन चूल्हे वितरित करने की ईईएसएल की पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।.

हर गुजरते साल के साथ, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव तेजी से सामने आ रहे हैं। इंडक्शन चूल्हों और बिजली से चलने वाले अन्य खाना पकाने के तरीकों को अपनाकर, हर घर जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में योगदान दे सकते हैं और लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। इस छोटे से जीवनशैली में बदलाव से न केवल व्यक्तिगत रसोई घरों, बल्कि पूरे देश के खाना पकाने, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के दृष्टिकोण में परिवर्तन आने की क्षमता है।

ईईएसएलमार्ट: सतत जीवनशैली में बदलाव लाने वाला उर्जा कुशल उपकरणों का एक ही स्थान पर समाधान

श्री अनिमेष मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क), ईईएसएल और श्री आदेश सक्सेना, महाप्रबंधक (तकनीकी), ईईएसएल

डिजिटल माध्यम आज किसी भी विचार, उत्पाद या सेवा को सामाजिक और भौगोलिक सीमाओं से परे बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाने का सबसे अच्छा तरीका है। ईईएसएल के ऊर्जा दक्षता को मुख्यधारा में लाने के प्रयास में, इसका ई-कॉमर्स पोर्टल दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति करता है: लोगों को भविष्य-संचालित, ऊर्जा-कुशल समाधानों को अपनाने के लागत और जीवनशैली लाभों के बारे में शिक्षित करना, और संबंधित उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करना। ईईएसएलमार्ट केवल एक ई-कॉमर्स साइट नहीं है, यह एक सतत भविष्य का प्रवेश द्वार है।

ईईएसएलमार्ट भारतीय उपभोक्ताओं की शीतलन और प्रकाश व्यवस्था की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए ऊर्जा-कुशल उपकरणों की एक श्रृंखला प्रदान करता है, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता और स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देता है। पोर्टल पर उपलब्ध उत्पादों में शामिल हैं:

अति-दक्ष एयर कंडीशनर: ये स्प्लिट एयर कंडीशनर बेहतरीन ठंडक प्रदान करते हैं और बिजली की खपत को 50 प्रतिशत तक कम करते हैं। ये 1.0 टन और 1.5 टन क्षमता में उपलब्ध हैं।

बीएलडीसी सीलिंग पंखे: ये पंखे दो तरह से संचालित किए जा सकते हैं - रिमोट कंट्रोल या दीवार पर लगे हुए रेगुलेटर के माध्यम से। इन पंखों की सर्विस वैल्यू 7.33 है और इन पर तीन साल की वारंटी है। ये पंखे 140 वोल्ट से लेकर 285 वोल्ट तक के वोल्टेज पर चल सकते हैं।

एलईडी बल्ब: इनमें 5-स्टार 6 वाट और 3-स्टार 9 वाट के बल्ब शामिल हैं। इन बल्बों को निर्माण-पूर्व, निर्माण और निर्माण-पश्चात चरणों में कड़े गुणवत्ता परीक्षणों से गुजरना होता है।

इन्वर्टर बल्ब: 10-वाट 1050-ल्यूमेन रिचार्जेबल इन्वर्टर बल्ब में चार घंटे तक की बैटरी बैकअप है और बिजली जाने पर रोशनी देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

ये विभिन्न स्थानों जैसे कि संस्थागत और औद्योगिक जगहों में आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था के रूप में काम करते हैं।

हालांकि अभी के लिए लॉन्च किया गया पोर्टल केवल बीटा संस्करण है, लेकिन भविष्य में इसमें इलेक्ट्रिक साइकिल और इंडक्शन चूल्हों सहित व्यापक रेंज के ऊर्जा-दक्ष उत्पादों को शामिल करने की योजना है। यह प्लेटफॉर्म बी2बी क्षेत्र में भी विस्तार कर रहा है, जिससे व्यवसायों को ऊर्जा-दक्ष बिजली उपकरणों के उपयोग के माध्यम से अपनी परिचालन लागत और कार्बन फुटप्रिंट दोनों को कम करने में मदद मिलती है।

ईईएसएलमार्ट पोर्टल यूजर फ्रेंडली है और ग्राहकों को आसानी से ब्राउज़ करने, उत्पादों का चयन करने और खरीदने की सुविधा देता है। प्रत्येक उत्पाद के विस्तृत उत्पाद विवरण, ग्राहक समीक्षाओं और अनुमानित ऊर्जा बचत प्रदान करके, प्लेटफ़ॉर्म खरीदारों को निर्णय लेने में मदद करता है। ईईएसएलमार्ट उत्कृष्ट ग्राहक सेवा भी प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को अपने चुने हुए उत्पादों के लाभों को अधिकतम करने के लिए आवश्यक सहायता मिले।

नए उत्पादों या विचारों को अपनाने के लिए सोच में बदलाव की जरूरत होती है, जो हमेशा आसान नहीं होता है। इस संदर्भ में ईईएसएलमार्ट की शैक्षिक भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऊर्जा-कुशल तकनीकों की लागत-प्रभावशीलता और कार्यात्मक लाभों के बारे में मौजूद किसी भी गलतफहमी को दूर करने में मदद करती है। हमें उम्मीद है कि इससे शुरूआत में ट्रायल को बढ़ावा मिलेगा, समय के साथ विश्वास का निर्माण होगा और उपभोक्ताओं को धीरे-धीरे अपनी जीवनशैली के अन्य क्षेत्रों में भी स्थायी विकल्प बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

डिजिटल बदलाव और नवाचार का भविष्य

श्री अभिषेक अग्रवाल,

प्रमुख-सूचना प्रौद्योगिकी एवं ऊर्जा पोर्टफोलियो प्रबंधन, ईईएसएल

आर्थिक विकास अक्सर सामाजिक परिवर्तनों के मिलने से होता है, जिसमें से डिजिटल परिवर्तन प्रमुख रूप से ऐसे बदलावों का प्रतिनिधित्व करता है। विशेषज्ञों द्वारा व्यापक शोध और विश्लेषण इस उभरते हुए घटनाक्रम के प्रभावों, लाभों, कमियों और सामाजिक व्यवहारों और रोजगार पर इसके परिणामों को समझने के लिए किए गए हैं। मुख्य उद्देश्य एक सफल और कुशल डिजिटल परिवर्तन को प्रेरित करना है।

पिछले कुछ दशकों में, वैश्वीकरण की तीव्र लहर ने व्यवसायों पर लगातार बढ़ते दबाव डाले हैं, जिससे उन्हें परिवर्तनकारी प्रक्रियाओं से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में जीवित रहने और समृद्धि के लिए अब व्यवसायों को डिजिटल प्रक्रियाओं और सहयोगी उपकरणों को कुशलतापूर्वक एकीकृत करने की आवश्यकता है (वाइट, 2012)। परिणामस्वरूप, डिजिटल परिवर्तन का महत्व बढ़ गया है। शोध इस बात पर जोर देते हैं कि मौजूदा व्यावसायिक दृष्टिकोणों में डिजिटल परिवर्तन को शामिल करना आवश्यक है, और यह केवल तकनीकी बदलावों से परे व्यापक दायरे वाला है (बाउन्केन एट अल., 2021)। डिजिटल परिवर्तन व्यवसाय के सभी क्षेत्रों में व्याप्त है और इसकी सफलता संगठनात्मक गतिशीलता प्राप्त करके की जाती है। (हेस एट अल., 2016) ।

डिजिटलीकरण से उत्पन्न होने वाले विघटनकारी परिवर्तन, जो वर्तमान व्यापार मॉडलों को अप्रचलित बना सकते हैं, विभिन्न वातावरणों में डिजिटल परिवर्तन को प्रेरित करते हैं(पार्वियाइनन एट अल., 2017)। तेज़ या विघटनकारी डिजिटल तकनीकों के नवोन्मेष अत्यधिक अनिश्चितता पैदा करते हैं, जिससे उद्योगों और कंपनियों को विभिन्न तरीकों से अनुकूलन करने के लिए प्रेरित किया जाता है, जैसे कि बैंक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए ई-बैंकिंग को अपना रहे हैं।। चुस्त और नवोन्मुख व्यवसाय प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने और प्रतिक्रिया देने के लिए अपनी रणनीतियों में परिवर्तन की आवश्यकताओं को शामिल करते हैं।

जो जोखिमों के खिलाफ लचीलेपन को मजबूत करते हैं (बोंडार एट अल., 2017)। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए डिजिटल परिवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है (लियू एट अल., 2011)। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण से उत्पादकता में वृद्धि, लागत में कमी और नवाचार भी होते हैं जो डिजिटल परिवर्तन को प्रभावित करते हैं (हेस एट अल., 2016)।

इसके अलावा, डिजिटल परिवर्तन न केवल किसी उद्योग के भीतर परिवर्तन लाता है बल्कि समाज पर भी व्यापक प्रभाव डालता है। जैसे-जैसे डिजिटल परिवर्तन का महत्व बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे उम्मीदें भी बढ़ती जा रही हैं।

डिजिटल परिवर्तन के चरण

कंपनी के डिजिटल परिवर्तन के लिए कार्यान्वयन रणनीति के महत्व को परिभाषित करना: इस चरण में रणनीतिक लक्ष्यों को विशिष्ट कार्य योजनाओं में विभाजित करना शामिल है। इसमें डिजिटल परिवर्तन रणनीति को लागू करने के लिए आवश्यक चरणों और गतिविधियों को परिभाषित करना शामिल है।

ग्राहक अनुभव का डिजिटल परिवर्तन: इस चरण में डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके ग्राहक अनुभव को बदलने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इसमें ग्राहक अंतःक्रियाओं को फिर से परिभाषित करना और ग्राहक सेवा में सुधार करना शामिल है।

उत्पाद और सेवा प्रस्ताव का डिजिटल परिवर्तन: इस चरण में कंपनी द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं को बदलना शामिल है। इसमें डिजिटल उत्पादों का विकास, मौजूदा उत्पादों में डिजिटल सुविधाओं का एकीकरण और डिजिटल नवाचार के माध्यम से मूल्य प्रस्ताव को बढ़ाना शामिल है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) एकीकरण: इस चरण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) को व्यावसायिक प्रक्रियाओं और संचालन में एकीकृत करना शामिल है। इसमें डिजिटल परिवर्तन को सक्षम करने के लिए डिजिटल उपकरणों, प्लेटफ़ॉर्म और सिस्टम को अपनाना और एकीकृत करना शामिल है। ये चरण डिजिटल परिवर्तन के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करते हैं, जो परिवर्तन प्रक्रिया के विभिन्न आयामों और पहलुओं को ध्यान में रखते हैं।

डिजिटल परिवर्तन रोडमैप को लागू करने में चुनौतियाँ

सांस्कृतिक प्रतिरोध और परिवर्तन में परेशानी: संगठनात्मक संस्कृति अक्सर डिजिटल परिवर्तन पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती होती है (हैगबर्ग एट अल., 2016)। परिवर्तन का प्रतिरोध, परिवर्तन परेशानी के साथ मिलकर, प्रगति में बाधा डाल सकता है। इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए लक्षित सांस्कृतिक हस्तक्षेपों और प्रभावी संचार रणनीतियों की आवश्यकता होती है।

पुराने सिस्टम और तकनीकी ऋण:
कई संगठन पुरानी प्रणालियों से जूझ रहे हैं जो गतिशीलता और नवाचार में बाधा डालते हैं (काफ़्फ़मैन एट अल., 2010)। तकनीकी ऋण का समाधान एक रोडमैप तैयार करने में महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसके लिए निरंतरता सुनिश्चित करते हुए प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए एक चरणबद्ध दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

डिजिटल परिवर्तन रोडमैप में सफलता के कारक

चपल और पुनरावृत्तीय दृष्टिकोण: डिजिटल परिदृश्य की गतिशील प्रकृति के कारण डिजिटल परिवर्तन के लिए एक पुनरावृत्तीय दृष्टिकोण आवश्यक है (बीयरवोल्फ, 2016)। पुनरावृत्तीय रणनीतियां संगठनों को विकसित हो रही तकनीकों और बाजार की गतिशीलता के साथ तेजी से अनुकूल बनाने की अनुमति देती हैं।

.

ग्राहक-केंद्रित रणनीति:
डिजिटल परिवर्तन की सफलता ग्राहक की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने से गहराई से जुड़ी हुई है (पार्वियाइन एट अल., 2017)। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण में डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके ग्राहक अनुभव को बढ़ाना और दीर्घकालिक संबंध बनाना शामिल है।

निष्कर्ष के तौर पर, डिजिटल परिवर्तन के लिए रोडमैप तैयार करना एक बहुआयामी प्रयास है जिसके लिए रणनीतिक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। मौलिक साहित्य की अंतर्दृष्टि से प्रेरित होकर, संगठन एक ऐसा रोडमैप तैयार कर सकते हैं जो तकनीकी प्रगति को व्यापक रणनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है। सांस्कृतिक प्रतिरोध और विरासत प्रणालियों जैसी चुनौतियों को लक्षित हस्तक्षेपों के साथ संबोधित किया जाना चाहिए, जबकि ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण जैसे सफलता कारक कार्यान्वयन प्रक्रिया का मार्गदर्शन करते हैं।

ऊर्जा बचाने वाले एसी और बीएलडीसी पंखों के साथ गर्मी से बचें और बिजली के बिल कम करें

श्री आशीष मालवीय
उप महाप्रबंधक
(तकनीकी), ईईएसएल

भारत में मानसून की शुरुआत से भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है, लेकिन यह सच है कि देश और दुनिया भर में औसत तापमान पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ता ही जा रहा है। पंखे और एयर कंडीशनर पहले की तुलना में अधिक दिनों तक और हर दिन अधिक समय तक इस्तेमाल हो रहे हैं। घर के अंदर शीतलन धीरे-धीरे एक लक्ज़री से ज़रूरत बनती जा रही है। साथ ही, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने के हित में यह भी महत्वपूर्ण है कि हमारे शीतलन उपकरण जितनी कम संभव हो उर्जा खपत करें। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 2023 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक तापमान को स्वीकार्य स्तर तक सीमित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा और पहुंच में सुधार के लिए दुनिया को 2030 तक ऊर्जा दक्षता पर अपनी प्रगति को दोगुना करने की जरूरत है। मेरा मानना है कि इस दिशा में प्रयास घर से ही शुरू होने चाहिए। ऊर्जा दक्ष पंखों और एयर कंडीशनर की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है।

भारत में हर साल लगभग 4 करोड़ सीलिंग फैन बिकते हैं और ये हमारे बिजली बिलों का एक बड़ा हिस्सा हैं। सीईईडब्ल्यू के 2020 के एक सर्वेक्षण से पता चला कि केवल 3% भारतीय घरों में स्टार रेटेड पंखे का इस्तेमाल होता है। हालांकि, हाल के वर्षों में, जलवायु परिवर्तन के बारे में उपभोक्ता जागरूकता और ऊर्जा बचत पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के कारण ऊर्जा कुशल पंखों या बीईई 5-स्टार रेटेड पंखों की मांग में वृद्धि हुई है। वर्तमान में, इस सेगमेंट को बड़े पैमाने पर ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (बीएलडीसी) पंखों द्वारा पूरा किया जा रहा है। बीएलडीसी पंखे खुदरा और कॉर्पोरेट ग्राहकों दोनों के लिए बेहद आकर्षक विकल्प हैं। ये पारंपरिक पंखों की तुलना में 60% तक कम बिजली खपत करते हैं, जिससे बिजली के बिल में भारी कटौती होती है। बीएलडीसी पंखे शांत होते हैं, इनकी उम्र लंबी होती है और ये उपयोग करने में आसान होते हैं। इनमें से कई को रिमोट कंट्रोल से चलाया जा सकता है और इनमें टाइमर और 'स्लीप मोड' जैसे फीचर भी होते हैं। हालांकि बीएलडीसी पंखों की कीमत पारंपरिक पंखों से अधिक होती है, लेकिन ये दो साल के भीतर कीमत के अंतर की भरपाई कर लेते हैं।

बीएलडीसी पंखे की कुल लागत (खरीद से लेकर रखरखाव तक) पारंपरिक पंखे की तुलना में बहुत कम होती है।

यद्यपि भारतीय घरों में पंखे सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला शीतलन उपकरण हैं, लेकिन एयर कंडीशनर की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। पंखों की तरह, एयर कंडीशनर के ऊर्जा-दक्ष वेरिएंट भी समान स्तर के आराम प्रदान करते हुए भारी मात्रा में ऊर्जा और धन की बचत करते हैं। पुरानी इमारतों में एयर कंडीशनिंग सिस्टम का केवल रेट्रोफिटिंग करके, हम हवा की गुणवत्ता और तापीय स्थिति में सुधार कर सकते हैं, और 30-35% तक ऊर्जा की बचत कर सकते हैं।

ईईएसएल द्वारा एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें उपभोक्ता बाजार में उपलब्ध अन्य ऊर्जा-दक्ष एयर कंडीशनर के बराबर कीमतों पर ईईएसएल द्वारा वितरित अति-दक्ष एयर कंडीशनर खरीद सकते हैं। हालांकि, उनके प्रदर्शन में बड़ा अंतर है। ईईएसएल के अति-दक्ष एयर कंडीशनर उच्च तापमान पर भी 1.5-टन की शीतलन क्षमता प्रदान करते हैं और साथ ही ठंडा करने की लागत में 50 प्रतिशत की कमी करते हैं। केवल जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता के बारे में जागरूक होना या बढ़ती जीवन लागत की चिंता करना पर्याप्त नहीं है; हमें सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्रिय भागीदार बनने की आवश्यकता है। ऊर्जा-दक्ष पंखे और एयर कंडीशनर जैसे साधारण बदलाव करके, हम एक साथ गर्मी और बिजली के बिल दोनों को कम रख सकते हैं।

ईईएसएलमार्ट के साथ अपने घर के लिए हरित विकल्प चुनें और बड़ी बचत करें

सुश्री प्रियाल प्रकाश
अधिकारी, जनसंपर्क, ईईएसएल

आज के समय में पर्यावरण के प्रति जागरूक निर्णय लेना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। ईईएसएलमार्ट में, हम उपभोक्ताओं को ऐसे हरित विकल्प चुनने में सशक्त बनाने के लिए समर्पित हैं जो न केवल धरती के लिए फायदेमंद हैं बल्कि आपके बिजली के बिलों में भी महत्वपूर्ण बचत करते हैं। हमारे ऊर्जा-दक्ष उत्पादों की विस्तृत रेंज आपके घर को एक पर्यावरण-अनुकूल स्वर्ग में बदलने में आपकी मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है। हमारे सबसे लोकप्रिय उत्पादों में इन्वर्टर बल्ब, 6W एलईडी और 9W एलईडी की रेंज शामिल है। ये प्रकाश समाधान कम से कम ऊर्जा खपत के साथ बेहतरीन रोशनी प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे 6W एलईडी बल्ब 150 ल्यूमेन प्रति वाट का उल्लेखनीय प्रदर्शन देते हैं, जिससे उज्ज्वल और कुशल प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित होती है। इसी तरह, हमारे 9W एलईडी बल्ब बेहद ऊर्जा दक्ष हैं, जो केवल 9W की खपत करते हैं। ये एलईडी बल्ब पारंपरिक बल्बों की तुलना में बहुत कम बिजली का उपयोग करते हैं और काफी लंबे समय तक चलते हैं। एलईडी लाइटिंग पर स्थानांतरित होकर, आप अपनी बिजली की खपत कम कर सकते हैं और यह आपके बटुए और पर्यावरण दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा, हमारे इन्वर्टर बल्ब एक रिचार्जेबल बैटरी के साथ आते हैं जो बिजली कटौती के दौरान चार घंटे तक बैकअप प्रदान करते हैं, जिससे आप कभी अंधेरे में नहीं रहेंगे।

हमारे बीएलडीसी पंखे ऊर्जा दक्षता के मामले में एक नया आयाम स्थापित कर रहे हैं। ये पंखे पारंपरिक छत के पंखों की तुलना में 65% तक कम बिजली की खपत करते हैं। जहां सामान्य पंखे 70-80 वाट बिजली खर्च करते हैं, वहीं हमारे बीएलडीसी पंखे केवल 28-30 वाट पर चलते हैं, और यह भी बिना प्रदर्शन से समझौता किए। रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन और स्पीड को अपने हिसाब से तय करने जैसी सुविधाओं के साथ, बीएलडीसी पंखे सुविधा और बचत दोनों प्रदान करते हैं। ये पंखे असमान्य वोल्टेज सुरक्षा के साथ भी आते हैं, जिससे उनकी टिकाऊपन और विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इन उन्नत पंखों को अपनाकर, आप गर्मी के महीनों में अपने घर को ठंडा रख सकते हैं और साथ ही अपनी बिजली बिलों में भारी कटौती कर सकते हैं।

जब बात अपने घर को ठंडा रखने की आती है, तो ऊर्जा-दक्ष एयर कंडीशनर सबसे अच्छे विकल्प होते हैं। ईईएसएलमार्ट आपको ऐसे एसी यूनिट्स की एक विस्तृत रेंज प्रदान करता है जो नवीनतम तकनीक का उपयोग करके कम से कम बिजली खपत के साथ बेहतरीन ठंडक देते हैं। ये एयर कंडीशनर पारंपरिक मॉडलों की तुलना में कम बिजली खर्च करके आरामदायक तापमान बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे सालाना 640 यूनिट तक बिजली की बचत होती है।

अपने किचन उपकरणों को अपग्रेड करने की सोच रहे हैं? हमारा इंडक्शन कुकटॉप एक बेहतरीन विकल्प है। इंडक्शन कुकिंग न केवल तेज और सटीक है बल्कि पारंपरिक गैस या इलेक्ट्रिक स्टोव की तुलना में अधिक ऊर्जा-कुशल भी है। हमारे इंडक्शन कुकटॉप्स में उन्नत सुरक्षा सुविधाएं हैं, जो एक सुरक्षित खाना पकाने का अनुभव सुनिश्चित करती हैं। इसके अतिरिक्त, ये 18-24 महीने की वारंटी के साथ आते हैं, जिससे आपको अपनी खरीद के साथ मन की शांति मिलती है। इंडक्शन कुकटॉप का उपयोग करके, आप खाना पकाने का समय और ऊर्जा उपयोग कम कर सकते हैं, जिससे बिजली के बिल कम आते हैं।

ईईएसएलमार्ट में, हमारा मानना है कि ऊर्जा दक्षता की दिशा में हर छोटा कदम बड़ा अंतर ला सकता है। हमारे स्थायी उत्पादों की रेंज को अपनाकर, आप महत्वपूर्ण बचत का आनंद लेते हुए एक हरित भविष्य में योगदान दे सकते हैं। अपने घर को एक ऊर्जा-कुशल स्वर्ग में बदलें और हमारे साथ स्मार्ट, पर्यावरण के अनुकूल विकल्प चुनने में शामिल हों। आज ही ईईएसएलमार्ट पर जाएं और जानें कि हमारे उत्पाद आपको अधिक पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी जीवन शैली जीने में कैसे मदद कर सकते हैं।

ईईएसएल के महत्वपूर्ण कार्यक्रम

ईईएसएल ने ऊर्जा दक्षता पहलों को बढ़ावा देने के लिए भुवनेश्वर में चैनल पार्टनर्स एम्पैनलमेंट मीट की मेजबानी की

ईईएसएल ने तेलंगाना में ऊर्जा दक्षता अपनाने के लिए महिला उद्यमी के साथ साझेदारी की

ईईएसएल के महत्वपूर्ण कार्यक्रम

ईईएसएल और राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड ने ई-मित्र नेटवर्क के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ाने के लिए समझौता किया

ईईएसएल और अखिल भारतीय महिला सम्मेलन ने ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों के महत्व पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया

ऊर्जा की बचत करने वालों के जीवन का एक दिन

अरे रिया, मैंने देखा है कि तुम इन दिनों ऊर्जा दक्षता के बारे में बहुत बात कर रही हो। यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

अच्छा प्रश्न अमन!
ऊर्जा दक्षता का मतलब है एक ही काम करने के लिए कम ऊर्जा का उपयोग करना है। इससे ऊर्जा की बर्बादी कम होती है, बिजली के बिल कम आते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पर्यावरण के लिए अच्छा है।

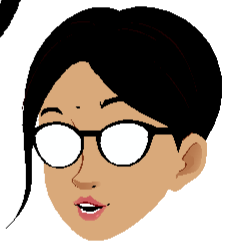

यह समझ में आ गया। लेकिन मैं अपनी दिनचर्या में ऊर्जा का अधिक कुशलतापूर्वक उपयोग कैसे कर सकता हूँ?

आप बहुत सी आसान चीजें कर सकते हैं! शुरुआत के लिए, कमरे से निकलते समय लाइट बंद करना सुनिश्चित करें। ऊर्जा-दक्ष एलईडी बल्ब, बीएलडीसी पंखे, सुपर-कुशल एसी आदि का उपयोग करें।

.

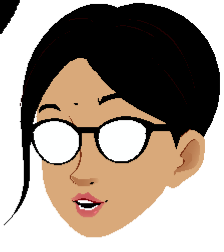

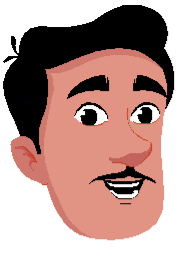

मैं हमेशा लाइट बंद करना भूल जाता हूँ। कोई और सुझाव?

जब भी उपकरणों का उपयोग न हो, उन्हें प्लग से निकाल दें। कई उपकरण बंद होने पर भी बिजली की खपत करते हैं। और यदि आप नए उपकरण खरीद रहे हैं, तो उच्च ऊर्जा स्टार रेटिंग वाले उपकरणों को चुनें।

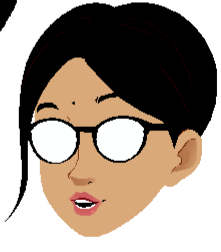

यह काफी आसान लगता है। कार्यालय में क्या हम कुछ कर सकते हैं?

बिल्कुल! हम दिन के अंत में अपने कंप्यूटर और प्रिंटर बंद करके शुरूआत कर सकते हैं। हम प्रबंधन से ऊर्जा-कुशल उपकरणों पर स्थानांतरित करने का भी सुझाव दे सकते हैं।

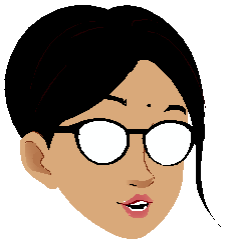

लेकिन भरोसेमंद ऊर्जा कुशल उपकरण ढूंढना काफी मुश्किल लगता है। हम इसे कहाँ से खरीद सकते हैं?

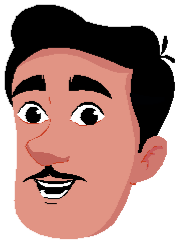

मैं आपको इसका उपाय बताती हूं। eeslmart.in पर जाएं। यह ऊर्जा दक्षता से जुड़ी सभी चीजों के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन है।

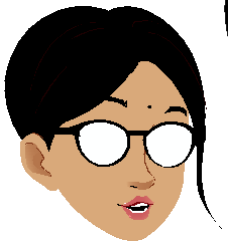

ये बहुत अच्छे विचार हैं, रिया। मैं आज से ही कुछ बदलाव शुरू कर दूंगा। सुझावों के लिए धन्यवाद!,

अच्छी बात है अमन! छोटी-छोटी चीजें भी बहुत मदद करती हैं। साथ मिलकर हम बडा अंतर ला सकते हैं।

.

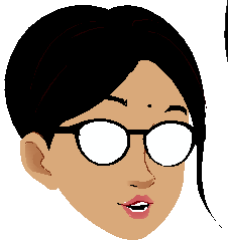

ऊर्जा क्षेत्र के महत्वपूर्ण रूझान

"हरित ऊर्जा में उछाल: बजट में नवीकरणीय और बिजली क्षेत्रों के लिए 1.39 लाख करोड़ रुपये का आवंटन"

भारत के हरित संक्रमण को मजबूती प्रदान करने के एक महत्वपूर्ण कदम में, वित्तीय वर्ष 2025 के बजट में नवीकरणीय ऊर्जा और बिजली क्षेत्रों के लिए आवंटन में बढ़ोतरी की गई है, इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 1.39 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरपी) और बिजली मंत्रालय (एमओपी) को क्रमशः 0.52 लाख करोड़ रुपये और 0.87 लाख करोड़ रुपये मिले हैं, जिससे बढ़ती पर्यावरणीय और आर्थिक मांगों के बीच ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने के सरकार के इरादे का संकेत मिलता है। नवीनतम क्रिसिल एमएंडए रिपोर्ट के अनुसार, बजट ने एमएनआरई के तहत प्रमुख योजनाओं के लिए फंडिंग में अंतरिम बजट की तुलना में 25 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) को आवंटन में 16 प्रतिशत की वृद्धि और वित्तीय वर्ष 2025 के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए 6,250 करोड़ रुपये के आवंटन के कारण है।

केंद्र राष्ट्रीय राजमार्गों पर 5833 नए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन लगाएगा

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि देश में अब राष्ट्रीय राजमार्गों पर 5,293 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन हैं और कुल 7,432 में से 5,833 और स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 7,432 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए तीन तेल विपणन कंपनियों को 800 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की गई है।

भारत में आवासीय सौर छत योजना पीएम सूर्य घर के तहत हुई बड़ी प्रगति

भारत के व्यस्त और जीवंत जीवन के बीच एक शांत क्रांति चल रही है, जो देश के ऊर्जा परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल सकती है। सरकार की सार्वभौमिक बिजली पहुंच की रणनीति में एक प्रमुख स्तंभ, पीएम सूर्य घर योजना, 75,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ, 1 करोड़ घरों पर स्थापित करने का लक्ष्य रखती है, जिससे भारत के सतत ऊर्जा की ओर रुख करने में तेजी आएगी। इस योजना के कार्यान्वयन से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पीएम सूर्य घर केवल एक योजना नहीं है, बल्कि भारत के लिए एक स्वच्छ ऊर्जा भविष्य सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।".

ऊर्जा क्षेत्र के महत्वपूर्ण रूझान

भारत में छत पर सौर ऊर्जा प्रणालियों के लिए एडीबी ने 240.5 मिलियन डॉलर का ऋण मंजूर किया

भारत में छत पर सौर ऊर्जा प्रणालियों के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 240.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण मंजूर किया है। यह ऋण भारत सरकार की अक्षय ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा पहुंच बढ़ाने के प्रयासों में सहायता करेगा। एडीबी ने अपनी घोषणा में कहा कि यह वित्तपोषण 2016 में एडीबी द्वारा शुरू में स्वीकृत मल्टीट्रांच फाइनेंसिंग फैसिलिटी (एमएफएफ) सोलर रूफटॉप इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम के ट्रांच 2 और 3 का समर्थन करेगा। वर्ष 2023 में, कार्यक्रम का पुनर्गठन विशेष रूप से आवासीय सौर छत प्रणालियों की तैनाती पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक 30.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है: आर्थिक सर्वेक्षण

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक 30.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को साकार करने के लिए वित्त जुटाना, प्रतिस्पर्धी शर्तों पर निवेश करना और भूमि अधिग्रहण की समस्याओं का समाधान आवश्यक है। सोमवार को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा (एनआरई) क्षेत्र में वर्ष 2024 से 2030 के बीच लगभग 30.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के अनुसार, इससे मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर पैदा होंगे।

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड
विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

पता: एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल)

पांचवां, छठा एवं सातवां तल, कोर -III, स्कोप कॉम्पप्लेक्स,

7 – लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003

फोन: 011-45801260

वेबसाइट: www.eeslindia.org

संपादकीय एवं विज्ञापन संबंधी जानकारी के लिए संपर्क करें

amishra@eesl.co.in

011- 458012801260